-13-

III Semester B.A. Examination, November/December 2013
(Semester Scheme) (F+R) (2010-11 & Onwards)
LANGUAGE HINDI (Paper – III)
Khandakavya and Anuvad

Time : 3 Hours | Max. Marks : 90/100

Instructions *: 1) **VI** question is **compulsory, 100** marks for students of **2012-13** and Onwards batch.*
*2) **90** marks for Repeater students Prior to **2012-13**.*

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक** शब्द, वाक्यांश या वाक्य में लिखिए : **(10×1=10)**

1) चारू-चन्द्र की चंचल किरणें कहाँ खेल रही है ?

2) कुसुमायुध योगी-सा कौन दृष्टिगत होता है ?

3) रामचन्द्रजी की बातों को सुनकर किसकी छाती फूलती है ?

4) 'पंचवटी' खण्डकाव्य के रचनाकार का नाम क्या है ?

5) 'बड़े सदैव बड़े होते हैं, छोटे रहते हैं छोटे'-यह किसका कथन है ?

6) वनवास की अवधि पूर्ण होने में और कितने वर्ष बाकी थे ?

7) पर्णकुटीर कहाँ बना था ?

8) श्री राम के विपिन राज्य में कौन-से जानवर एक घाट पर आकर पानी पीते हैं ?

9) राजमाता बनने की इच्छा किसमें थी ?

10) मृत्युलोक की मलिनता को मिटाने के लिए स्वामी-संग कौन आई हैं ?

ST. CLARET COLLEGE LIBRARY

II. किन्हीं **चार** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **(4×8=32)**

1) थी अत्यंत अतृप्त वासना
दीर्घ दृगों से झलक रही,
कमलों की मकरन्द-मधुरिमा
मानो छवि से छलक रही।
किन्तु दृष्टि थी जिसे खोजती
मानो उसे पा चुकी थी,
भूली-भटकी मृगी अन्त में
अपनी ठौर आ चुकी थी।।

2) हा नारी ! किस भ्रम में है तू,
प्रेम नहीं यह तो है मोह ;
आत्मा का विश्वास नहीं यह
है तेरे मन का विद्रोह !
विष से भरी वासना है यह,
सुधा–पूर्ण वह प्रीति नहीं ;
रीती नहीं, अनरीति और यह
अति अनीति है, नीति नहीं ।।

3) जो वर–माला लिये, आप ही,
तुमको वरने आई हो,
अपना तन, मन, धन सब तुमको
अर्पण करने आई हो ;
मज्जागत लज्जा तजकर भी,
तिस पर करे स्वयं प्रस्ताव,
कर सकते हो तुम किस मन से
उससे भी ऐसा बर्ताव ?

4) सुन्दरी, मैं सचमुच विस्मित हूँ ,
तुमको सहसा देख यहाँ,
ढलती रात, अकेली अबला,
निकल पड़ी तुम कौन, कहाँ ?
पर अबला कहकर अपने को
तुम प्रगल्भता रखती हो,
निर्ममता निरीह पुरुषों में
निस्सन्देह निरखती हो।

5) करते हैं हम पतित जनों में
बहुधा पशुता का आरोप,
करता है पशुवर्ग किन्तु क्या
निज निसर्ग नियमों का लोप ?
मैं मनुष्यता को सुरत्व की
जननी भी कह सकता हूँ ,
किन्तु पतित को पशु कहना भी
कभी नहीं सह सकता हूँ ।।

6) यनि संकट ऐसे हों जिनको
तुम्हें बचाकर मैं झेलूँ ,
तो मेरी भी यह इच्छा है
एक बार उनसे खेलूँ।
देखूँ तो कितने विघ्नों की
वहन-शक्ति रखता हूँ मैं,
कुछ निश्चय कर सकूँ कि कितनी
सहन-शक्ति रखता हूँ मैं ।।

III. 'पंचवटी' खण्डकाव्य का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **(1×18=18)**

अथवा

लक्ष्मण का चरित्र-चित्रण कीजिए।

IV. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : **(2×10=20)**

1) शूर्पणखा का प्रणय निवेदन।

2) प्रहरी के रूप में अभिव्यक्त लक्ष्मण का स्वकथन।

3) पंचवटी का पर्णकुटीर।

V. **हिन्दी** में अनुवाद कीजिए : **10**

ಮೂವರು ಅತಿಥಿಗಳು ಮನೆಯ ಬಾಗಿಲಿಗೆ ಬಂದರು. ಸಂಪತ್ತು, ತೃಪ್ತಿ, ಪ್ರೀತಿ –ಎಂದು ಅವರ ಹೆಸರುಗಳು. ಬಾಗಿಲಿನಲ್ಲಿದ್ದ ಮಗುವನ್ನು ಕುರಿತು ಅವರು ಹೇಳಿದರು – ''ನಮ್ಮಲೊಬ್ಬರು ಮಾತ್ರ ಒಳಗೆ ಬರುತ್ತೇವೆ, ಯಾರನ್ನು ಆರಿಸಿಕೊಳ್ಳುವೆ''ಎಂದು. ಅವನು ಒಳಗೆ ಹೋಗಿ ತಂದೆ – ತಾಯಿಯರನ್ನು ಕೇಳಿದನು. ತಂದೆಯು ಸಂಪತ್ತನ್ನೂ, ತಾಯಿಯು ತೃಪ್ತಿಯನ್ನೂ ಆರಿಸಿಕೊಂಡು ಮಗುವಿನ ಆಯ್ಕೆಯನ್ನು ಕೇಳಿದರು. ಮಗುವು ಪ್ರೀತಿಯನ್ನು ಆರಿಸಿಕೊಂಡಿತು. ತಂದೆ – ತಾಯಿಗಳೂ ಮಗುವಿನ ಆಯ್ಕೆಯನ್ನು ಸಮ್ಮತಿಸಿದರು. ಹೊರಗೆ ಬಂದು ಮಗುವು ಪ್ರೀತಿಯನ್ನು ಕರೆಯಿತು. ಆದರೆ ಪ್ರೀತಿಯ ಹಿಂದೆಯೇ ಸಂಪತ್ತೂ, ತೃಪ್ತಿಯೂ ಒಳಗೆ ಬಂದವು.

Three guests appeared in front of a house and their names were wealth, contentment and love. They addressed the boy at the door, "you may choose any one among us." The boy went inside and asked his parents. The father chose wealth, while the mother chose contentment. They asked the boy to choose and finally decide. The boy chose love. Parents accepted the child's selection. The child came out and asked love to come inside. But the other two also followed love.

Note : **Compulsory** question for **2012-13** and onwards batch.
सूचना : **2012-13** आगे के विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य प्रश्न।

VI. किसी **एक** का चरित्र–चित्रण कीजिए : **(1×10=10)**

1) श्रीराम ।

2) सीता।